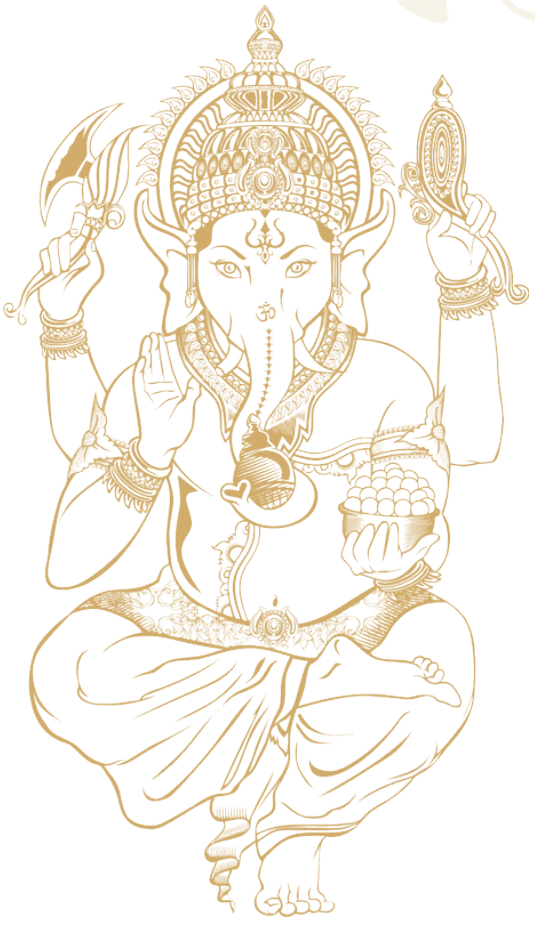

Mr.g dhingra

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119060809

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/05/1993	जन्म तिथि	14/03/1997
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:44:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 58:00:18	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:31:52	सूर्योदय	06:33:36
19:04:05	सूर्यास्त	18:29:35
23:46:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 2मा 2दि	13:53:25	मेष	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि
गुरु	29:24:50	मेष	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु
16/07/2012	04:25:56	कुंभ	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010
16/07/2028	14:08:46	कर्क	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028
गुरु 03/09/2014	26:48:50	मेष	बुध	मीन	03:12:44	राहु 28/05/2013
शनि 16/03/2017	11:28:52	कन्या व	गुरु	मक	17:52:22	गुरु 22/10/2015
बुध 22/06/2019	17:28:26	मीन	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि 28/08/2018
केतु 28/05/2020	05:57:17	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	बुध 16/03/2021
शुक्र 27/01/2023	18:35:03	वृश्चि व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु 04/04/2022
सूर्य 15/11/2023	18:35:03	वृष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र 04/04/2025
चन्द्र 16/03/2025	28:17:46	धनु व	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य 26/02/2026
मंगल 20/02/2026	27:15:58	धनु व	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र 28/08/2027
राहु 16/07/2028	00:23:58	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल 15/09/2028

लग्न-चलित

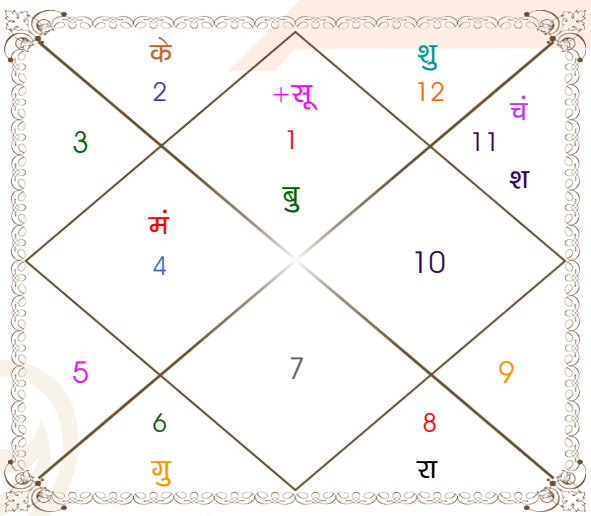

लग्न-चलित

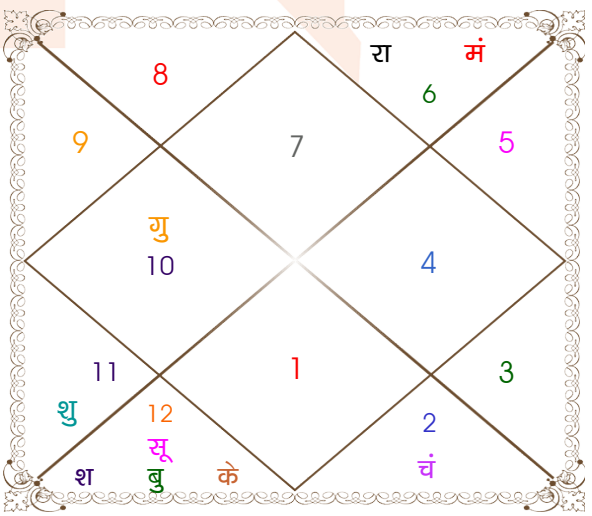

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr.g dhingra का वर्ग मार्जार है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.g dhingra और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.g dhingra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.g dhingra कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.g dhingra कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.g dhingra कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.g dhingra तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।